हाल के मध्यावधि चुनावों में विदेशी धन का प्रयोग

189. **सरदार गुरुचरण सिंह टोहड़ा :** क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल के मध्यावधि चुनावों में विदेशी धन का प्रयोग हुआ था; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

†[USE OF FOREIGN MONEY DURING RECENT MID TERM ELECTIONS

189. SARDAR GURCHARAN SINGH TOHRA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that foreign money was used during the recent mid-term elections; and

(b) if so, the details thereof?]

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० पंत) (क) और (ख) हालांकि ऐसा सोचने के कारण है कि हाल के चुनावों में विदेशी स्रोतों से प्राप्त धन का उपयोग हुआ है किन्तु प्राप्त वित्तीय सहायता की मात्रा का निश्चित मूल्यांकन करना संभव नहीं होगा और न ही राजनैतिक दलों अथवा उनके विदेशी दाताओं पर दोष लगाना यथोचित होगा। सामान्य और वास्तविक व्यापारिक लेन देन के क्रम को छोड़ कर विदेशी संगठनों, एजेन्सियों या व्यक्तियों से धन प्राप्त करने पर यथोचित रोक लगाने हेतु अस्थायी वैधानिक प्रस्ताव पहले ही बनाये गये हैं। प्रस्तावित विधान के मूल सिद्धान्तों पर शीघ्रातिशीघ्र विपक्षी दलों के नेताओं से विचार-विमर्श किया जायेगा।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K.C. PANT): (a) and (b) While there is reason to think that funds obtained from foreign sources were used in the recent elections, any precise quantitative assessment of the financial assistance received is not possible nor would it be appropriate to apportion blame among political parties, or their foreign donors. Tentative legislative proposals have already been formulated to impose suitable restrictions on the receipt of funds from foreign organisations, agencies or individuals, other than in the course of ordinary and bona fide business transactions. The principles underlying the proposed legislation will be discussed with the leaders of the opposition parties as early as possible].

आयात और निर्यात

190. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वैदेशिक व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में देश के आयात तथा निर्यात व्यापार की क्या स्थिति रही और किन-किन भारतीय वस्तुओं की मांग बढ़ी या घटी है और उसके क्या कारण हैं;

(ख) विदेशी मार्किट में भारतीय वस्तुओं की मांग का पता लगाने के लिये दैनिक या साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशित करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि विदेशों में हमारे दूतावास और व्यापार आयुक्त इस कार्य को सक्रिय रूप से नहीं कर रहे हैं ?

†[ ] English translation.